International Journal of Education, Modern Management, Applied Science & Social Science (IJEMMASSS)
ISSN : 2581-9925, Impact Factor: 6.882, Volume 05, No. 01(III), January - March, 2023, pp. 273-280

गुजरात विधानसभा चुनाव– 2022: उसके निहितार्थ

डॉ. विकास कुमार शर्मा*
डॉ. भारतेन्दु गौतम**

सार

किसी भी लोकतांत्रिक राष्ट्र की सबसे महत्वपूर्ण पहचान वहां की नियमित, निष्पक्ष एवं पारदर्शी चुनाव प्रणाली है। भारत में प्रतिवर्ष किसी ने किसी राज्य एवं केंद्र शासित प्रदेश में विधानसभा चुनाव होते रहते हैं तथा प्रति 5 वर्ष एवं कभी–कभी उससे पहले भी लोकसभा के चुनाव संपन्न होते हैं। भारतीय लोगों के लिए केंद्रीय संसद, राज्य विधानसभाओं एवं स्थानीय निकायों के चुनाव एक उत्सव की तरह होते हैं। जिसमें प्रत्येक भारतीय नागरिक बड़े उत्साह से शामिल होता है। स्वतंत्र एवं निष्पक्ष प्रक्रिया से आयोजित होने वाला प्रत्येक चुनाव किसी न किसी रूप में भारतीय लोकतांत्रिक व्यवस्था को और अधिक मजबूत एवं सशक्त बनाने में एक प्रकार से यज्ञ आहुति का काम करता है। इस शोध आलेख में हम गुजरात विधानसभा चुनाव परिणाम 2022 के संदर्भ में तुलनात्मक विश्लेषण करेंगे। इस चुनाव में बीजेपी ने तमाम एग्जिट पोल, सर्वे रिपोर्ट एवं मीडिया रिपोर्ट्स को खारिज करते हुए एक रिकॉर्ड तोड़ जीत हासिल की है। इस बात का तो सभी को विश्वास था कि, भाजपा इस बार भी गुजरात में आसानी से बहुमत प्राप्त कर लेगी, जहां बीजेपी के तमाम बड़े नेता गुजरात में आसानी से दो तिहाई बहुमत हासिल करने की बात कर रहे थे। गुजरात विधानसभा के चुनाव परिणामों ने उन सभी को चौंका कर रख दिया। गुजरात विधानसभा की कुल 182 सीटों में से भाजपा ने 156 सीटें प्राप्त कर एक अभूतपूर्व रिकॉर्ड अपने नाम बनाया। यह राज्य में किसी पार्टी का अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। इससे पहले 1985 में कांग्रेस ने माधव सिंह सोलंकी के नेतृत्व में 149 सीटें प्राप्त की थी। यह भी ध्यान रहें कि, इस चुनाव में भाजपा का जितना श्रेष्ठ प्रदर्शन रहा राष्ट्रीय कांग्रेस पार्टी का प्रदर्शन उतना ही कम रहा है। इस बार कांग्रेस को कुल 182 सीटों में से मात्र 17 सीटें प्राप्त हुई, वहीं आम आदमी पार्टी ने गुजरात विधानसभा में अपना खाता खोलते हुए कुल 5 सीटें प्राप्त की, 1 सीट समाजवादी पार्टी के खाते में तथा 3 सीटें अन्य दलों के खाते में गई। इस लेख का उद्देश्य भी गुजरात विधानसभा चुनाव परिणामों में आए भारी उतार–चढ़ाव को समझना, जनता का चुनावी मनोविज्ञान जानना, भारतीय जनता पार्टी की कुशल चुनावी रणनीति को समझना, राष्ट्रीय कांग्रेस के जनमत में आ रही भारी गिरावट का तथ्यात्मक विश्लेषण करना एवं गुजरात में आम आदमी पार्टी के बढ़ते कदम तुलनात्मक अध्ययन करना है।

शब्दकोश: *जनता का मनोविज्ञान, तथ्यात्मक विश्लेषण, आम आदमी पार्टी, एक्जिट पोल, सर्वे रिपोर्ट, निष्पक्ष एवं पारदर्शी चुनाव, केन्द्रीय संसद।*

प्रस्तावना

गुजरात विधानसभा चुनाव कार्यक्रम

केंद्रीय चुनाव आयोग ने घोषित किया कि, गुजरात के सभी 33 जिलों में विधानसभा के चुनाव दो चरणों में होंगे। गुजरात विधानसभा की कुल 182 सीटों के लिए पहले चरण का चुनाव 1 दिसंबर, 2022 एवं दूसरे चरण का चुनाव 5 दिसंबर, 2022 को होना निर्धारित किया गया। राज्य में पहले चरण में 19 जिलों की 89

* सहायक आचार्य, राजनीति विज्ञान, राजकीय महाविद्यालय, बूंदी, राजस्थान।
** सहायक आचार्य, भूगोल, राजकीय महाविद्यालय, बूंदी, राजस्थान।

सीटों पर एक दिसंबर को वोट पड़ें। जिन 19 जिलों में प्रथम चरण मतदान हुआ, वें निम्न प्रकार है– कच्छ, सुरेंद्रनगर, मोरबी, राजकोट, जामनगर, देवभूमि द्वारका, पोरबंदर, जूनागढ़, गिर सोमनाथ, अमरेली, भावनगर, बोटाद, नर्मदा, भरूच, सूरत, तापी, डांग्स, नवसारी और वलसाड जिले शामिल हैं। इस प्रकार पहले चरण में सौराष्ट्र, कच्छ और दक्षिण गुजरात में चुनाव पूरा हुआ।

वहीं दूसरे चरण में 14 जिलों की 93 विधानसभा सीटों के लिए 5 दिसंबर मतदान हुआ। जिन 14 जिलों में मतदान हुआ, वें निम्न प्रकार है– इन जिलों में बनासकांठा, पाटन, मेहसाणा, साबरकांठा, अरावली, गांधीनगर, अहमदाबाद, आणंद, खेड़ा, महिसागर, पंच महल, दाहोद, वडोदरा और छोटा उदयपुर आदि शामिल हैं। दूसरे चरण में मध्य गुजरात और उत्तर गुजरात की विधानसभा सीटों पर चुनाव संपन्न हुआ। पहले चरण के चुनाव में 89 सीटों के लिए 5 नवंबर को नोटिफिकेशन जारी किया गया। इस चुनाव में उम्मीदवारों द्वारा पर्चा दाखिल करने की अंतिम तारीख 14 नवंबर रखी गई। नामांकन पत्रों की जांच की अंतिम तिथि 15 नवंबर रखी गई, वहीं नाम वापसी की अंतिम तिथि 17 नवंबर रखी गई। इस प्रक्रिया के पश्चात पहले चरण के चुनाव 1 दिसंबर को हुए। वहीं दूसरे चरण की 93 सीटों के लिए 10 नवंबर को नोटिफिकेशन जारी हुआ। उम्मीदवारों के फॉर्म भरने की अंतिम तिथि 17 नवंबर रखी गई। वहीं नामांकन पत्रों की जांच 18 नवंबर तक एवं नाम वापसी की तारीख 21 नवंबर तक रखी गई। इसी आधार पर दूसरे चरण के चुनाव 5 दिसंबर को निर्धारित किए गए। दोनों चरणों के मतदान के बाद 15वीं गुजरात विधानसभा की कुल 182 सीटों के चुनाव परिणाम 8 दिसंबर को आए। इसी दिन हिमाचल प्रदेश विधानसभा के चुनाव परिणाम भी घोषित किए गए।

सारणी 1: गुजरात विधानसभा चुनाव कार्यक्रम– 2022

चरण	प्रथम चरण	द्वितीय चरण
चुनाव अधिसूचना	5 नवंबर, 2022	10 नवंबर, 2022
नाम वापसी दिनांक	17 नवंबर, 2022	21 नवंबर, 2022
चुनाव दिनांक	1 दिसंबर, 2022	5 दिसंबर, 2022
सीटें	89 सीटों पर	93 सीटों पर
परिणाम	8 दिसंबर, 2022	8 दिसंबर, 2022

चुनाव में मतदाताओं के लिए सुविधा

केंद्रीय चुनाव आयोग की प्रेस कॉन्फ्रेंस, नई दिल्ली के दौरान मुख्य निर्वाचन आयुक्त राजीव कुमार ने कहा कि, मोरबी पुल की घटना के पीड़ितों के प्रति हम दुःख जताते हुई उन्हें श्रद्धांजलि देते हैं। उन्होंने गुजरात विधानसभा चुनाव के संबंध में की गई आवश्यक तैयारियों एवं सुविधाओं के बारे में बताया। जो निम्न प्रकार है–

- मुख्य चुनाव आयुक्त ने कहा कि, गुजरात में कुल 4.91 करोड़ मतदाता हैं, इनमें से 4.61 लाख नए वोटर हैं। इन मतदाताओं में से 9.87 लाख मतदाता 80 साल से ज्यादा उम्र के हैं। ध्यान रहे कि, गुजरात में पिछली विधानसभा का कार्यकाल 18 फरवरी, 2023 को खत्म हो रहा है।
- गुजरात में 15वीं विधानसभा चुनाव–2022 के लिए कुल 51782 मतदान केंद्र बनाए गए, 142 मॉडल मतदान केंद्रों का इंतजाम किया गया।
- चुनाव में एक–एक वोट के महत्व को समझते हुए दिव्यांग वोटरों के लिए 182 विशेष मतदान केंद्र बनाए गए ताकि असुविधा के कारण कोई भी अपने मताधिकार से वंचित नहीं रहें।
- इस चुनाव में 1274 ऐसे मतदान केंद्र बनाए गए जो सिर्फ महिला मतदाताओं के लिए होंगे, इन केंद्रों पर केवल महिला मतदाता ही वोटिंग करेंगे।
- गुजरात विधानसभा चुनाव में 100 वर्ष से अधिक उम्र के 10,460 मतदाताओं, अन्य वरिष्ठ मतदाताओं एवं दिव्यांग मतदाताओं की सुविधा के लिए मतदान केन्द्रों पर रैंप, पानी, टॉयलेट एवं अन्य सभी माकूल इंतजाम किए गए।

- आप गुजरात विधानसभा चुनाव में मतदाताओं के लिए सुविधा का अनुमान इस बात से भी लगा सकते हैं कि, वहां गिर सोमनाथ जिले के मधुपुर जंबूर में सिर्फ एक मतदाता के लिए 15 चुनाव कर्मियों की टीम को भेजा गया।
- चुनाव पूर्व चुनाव आयोग ने घोषित किया कि, यदि वहां मतदान प्रक्रिया में किसी तरह की गड़बड़ी दिखाई देती हैं, तो मतदाता सी विजिल ऐप का इस्तेमाल कर तुरंत सूचित कर सकते हैं।
- मतदान में खड़े होने वाले उम्मीदवार की जानकारी को भी अपडेट करते हुए बताया गया कि, उसकी समस्त जानकारी केवाईसी सिस्टम में मिल सकेगी। जैसे– उनकी योग्यता, आमदनी, उनका आपराधिक रिकॉर्ड सभी की जानकारी।
- इस चुनाव में कोरोना पीड़ित लोगों एवं परिवारों के सदस्यों के लिए घर से मतदान की सुविधा उपलब्ध करवाई गई।
- इस चुनाव में निर्वाचन आयोग द्वारा घोषित किया गया कि, यदि विधानसभा चुनाव में किसी प्रकार की गड़बड़ी या धांधली की शिकायत मिलती है तो चुनाव आयोग मात्र 1 घंटे के अंदर ऐसे लोगों के विरुद्ध आवश्यक कार्यवाही करेगा।
- चुनाव आयोग ने चुनावों के सफल संचालन के लिए सभी जिलाधिकारियों को एक विशेष सोशल मीडिया टीम बनाने के लिए निर्देश प्रदान किए ताकि संपूर्ण चुनाव प्रक्रिया की प्रभावी मॉनिटरिंग की जा सकें।

गुजरात विधानसभा चुनाव परिणाम

गुजरात विधानसभा चुनाव– 2022 में भारतीय जनता पार्टी ने रेकॉर्ड तोड़ जीत हासिल की है, वहीं यदि इस बार के चुनावों में कांग्रेस के प्रदर्शन की बात करें तो वह अब तक का सबसे खराब प्रदर्शन रहा। इस बार कांग्रेस पार्टी को कुल 182 सीटों में से मात्र 17 सीटों पर जीत मिलीं। वहीं आम आदमी पार्टी ने गुजरात विधानसभा चुनाव में पहली बार हाथ आजमाते हुए कुल 5 सीटों पर जीत हासिल की, एक सीट समाजवादी पार्टी को एवं अन्य दलों को 3 सीटें मिली है। इस चुनाव में भाजपा ने 2002 के चुनाव में प्राप्त 127 सीटों के अपने ही रिकॉर्ड को ध्वस्त किया। गुजरात में पिछले 27 वर्षों से भारतीय जनता पार्टी की सरकार चल रही है। गुजरात में 27 वर्षों से निरंतर एक ही दल की सरकार चलने के बावजूद भी इस बार के चुनाव में एंटी इनकंबेंसी का बिल्कुल भी प्रभाव नहीं रहा, इसके उलट भाजपा ने ऐतिहासिक मतों से जीत प्राप्त कर एक रिकॉर्ड कायम किया है। यदि हम पिछले विधानसभा चुनाव 2017 की बात करें तो उसमें भाजपा ने कुल 182 सीटों में से 99 सीटें तथा कांग्रेस ने 77 सीटों पर जीत हासिल की थी। पिछले चुनाव 2017 में दोनों प्रमुख दलों के वोट शेयर की तुलना करें तो भाजपा ने 49 प्रतिशत और कांग्रेस ने 41 प्रतिशत से ज्यादा वोट हासिल किए थे। इस बार के विधानसभा चुनाव 2022 में भाजपा ने कुल वोट शेयर का 52.50 प्रतिशत, राष्ट्रीय कांग्रेस ने 27.28 प्रतिशत एवं आम आदमी पार्टी ने 12.92 प्रतिशत वोट प्राप्त किए। इस प्रकार स्पष्ट दिखाई दे रहा है कि, जहां पिछले चुनाव की तुलना में इस बार भाजपा का वोट शेयर 3 प्रतिशत से अधिक बढ़ा है, वही राष्ट्र कांग्रेस के वोट शेयर में लगभग 13 प्रतिशत की कमी आई है। इसी प्रकार जहां पिछले चुनाव में आम आदमी पार्टी को मात्र 1 प्रतिशत वोट शेयर प्राप्त हुआ, वहीं इस बार आप का वोट शेयर बढ़कर 13 प्रतिशत हो गया। ध्यान रहें कि, गुजरात विधानसभा चुनाव परिणाम में भारी उलटफेर का कारण भी आम आदमी पार्टी को प्राप्त यह वोट शेयर ही रहा।

सारणी 2: तुलनात्मक चुनाव परिणाम– विधानसभा चुनाव गुजरात (2017, 2022)

	बीजेपी	**कांग्रेस**	**आम आदमी पार्टी**
नेता	भूपेंद्र भाई पटेल	जगदीश ठाकौर	ईसुदान गढवी
गठबंधन	एनडीए	यूपीए	आप
पिछले चुनाव– 2017 का मत प्रतिशत	49.1 प्रतिशत	41.4 प्रतिशत	0.1 प्रतिशत
पिछले चुनाव– 2017 में प्राप्त सीटें	99 सीटें	77 सीटें	00 सीटें
चुनाव– 2022 का मत प्रतिशत	52.50 प्रतिशत	27.28 प्रतिशत	12.92 प्रतिशत
चुनाव– 2022 में प्राप्त सीटें	156 सीटें	17 सीटें	05 सीटें

गुजरात विधानसभा चुनाव का विश्लेषण

भारत में अन्य किसी भी प्रांतीय विधानसभा चुनाव की तुलना में गुजरात विधानसभा के चुनाव राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर न केवल जनता अपितु सामाजिक संगठनों एवं मीडिया प्रेमियों का भी अधिक ध्यान आकर्षित किया। क्योंकि देश के प्रधानमंत्री का गढ़ होने के साथ उनकी राजनीतिक प्रयोगशाला एवं उनके विकास के मॉडल का प्रारंभिक चरण यहीं से शुरू होता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रभाव का अंदाजा इस बात से भी लगाया जा सकता है कि, पिछले 27 वर्षों में भाजपा ने यहां कोई भी चुनाव नहीं हारा है। इस बार चुनाव पूर्व हुई मोरबी पुल दुर्घटना में पुल के गिरने से लगभग 135 लोगों की मौत हो गई और 180 नागरिक घायल हो गए। इस दुर्घटना को भाजपा के लिए राजनीतिक रूप से एक बड़ा प्रतिघात समझा जा रहा था लेकिन चुनाव के अंतिम परिणामों ने उन सबको निष्प्रभावी साबित किया। हालांकि यह दुर्घटना भाजपा के विजयी रथ को रोकने की क्षमता रखती थी, लेकिन समय पर बचाव और राहत कार्यों तथा कांग्रेस की प्रभावशाली अनुपस्थिति ने इसके होने वाले नकारात्मक प्रभाव को बेअसर कर दिया। गुजरात विधानसभा चुनाव में भाजपा एवं कांग्रेस के अलावा असदुद्दीन ओवैसी की पार्टी तथा अन्य स्थानीय पार्टियों का प्रभाव भी नग्नय रहा। यद्यपि आप दल ने विधानसभा चुनाव से पहले वर्ष 2021 में हुए गुजरात नगरपालिका चुनावों में ही अपने लिए जगह बना ली थी। यदि हम 2017 के विधानसभा चुनाव की बात करें तो इस विधानसभा चुनाव में भाजपा और कांग्रेस के बीच कांटे का मुकाबला देखा गया। इस चुनाव से पहले गुजरात की एक प्रमुख जाति पाटीदार अपने आरक्षण की मांग कर रही थी। साथ ही माल और सेवा कर (जीएसटी) ने छोटे व्यापारियों एवं दुकानदारों को बहुत प्रभावित किया। हालांकि, इस चुनाव में भाजपा बहुमत से मात्र 7 सीटें अधिक प्राप्त करने में सफलता रही थी। उसे फिर भी 2012 के विधानसभा चुनाव की तुलना में 26 सीटों का नुकसान हुआ। लेकिन यह भी ध्यान रखना चाहिए कि, पिछले चुनाव में भाजपा अपनी सीटों के 3 अंकों की संख्या से गिरकर 2 पर सिमट गई। इस बात को भी नहीं भूलना चाहिए कि, भाजपा का वोट शेयर पिछले चुनाव 2017 की 48 प्रतिशत तुलना में 4 प्रतिशत बढ़कर 52 प्रतिशत हो गया।

गुजरात विधानसभा का चुनाव– 2022 भाजपा ने पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र भाई पटेल के नेतृत्व में लड़ा, इसमें भाजपा ने न केवल 2002 का अपना ही रिकॉर्ड तोड़ते हुए कुल 182 सीटों में से 156 सीटें प्राप्त कर ऐतिहासिक रिकॉर्ड बनाया अपितु इस चुनाव में भाजपा ने कांग्रेस के 1985 में 149 सीटों के रिकॉर्ड को भी तोड़ दिया। यह भी ध्यान रहे कि, यह भाजपा की गुजरात विधानसभा चुनाव में लगातार सातवीं जीत है। इस चुनाव में कांग्रेस का प्रदर्शन अपेक्षा से बहुत कम रहा, कांग्रेस को पिछले चुनाव की तुलना में इस बार 60 सीटों का नुकसान हुआ, जो उसका अब तक का सबसे खराब प्रदर्शन रहा, कांग्रेस को मात्र 17 सीटों से ही संतोष करना पड़ा। यह भी एक संयोग ही है कि, 2022 के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस को जितनी सीटों का नुकसान हुआ भाजपा को लगभग उतनी ही सीटों का फायदा हुआ है। जहां कांग्रेस पिछले चुनाव में प्राप्त 77 सीटों से 17 सीटों तक सिमट गई, वहीं भाजपा पिछले चुनाव में प्राप्त 99 सीटों से 156 सीटों तक पहुंच गई है। गुजरात में भाजपा की ऐतिहासिक जीत पर कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष जगदीश ठाकुर ने कहा कि, ''इस चुनाव में आप दल एवं असदुद्दीन ओवैसी की पार्टी ने कांग्रेस के जनाधार को काटने का काम किया।'' यह भारतीय लोकतंत्र की खूबसूरती है कि, कांग्रेस के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष राहुल गांधी ने चुनाव परिणाम घोषित होने के बाद में कहा कि, ''हम आम जनता द्वारा दिए गए जनादेश का सम्मान करते हैं, हम पार्टी का पुनर्गठन करेंगे, कड़ी मेहनत करेंगे, राष्ट्र के आदर्शों एवं गुजरात के लोगों के हक की लड़ाई जारी रखेंगे।''

हालांकि इस विधानसभा चुनाव में आम आदमी पार्टी ने लगभग 13 प्रतिशत वोट शेयर के साथ कुल 5 सीटें प्राप्त की है लेकिन इस चुनाव में आम आदमी पार्टी के मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार ईसुदान गढवी खंमलिया सीट से एवं उसके प्रदेशाध्यक्ष गोपाल इटालिया कतारगाव विधानसभा सीट से चुनाव हार गए। गुजरात की सभी 182 सीटों पर चाहे वह ग्रामीण–शहरी क्षेत्रों में हो, अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति एवं अन्य पिछड़ा वर्ग के बाहुल्य वाले क्षेत्रों में हो में भाजपा ने कांग्रेस से आगे बढ़कर बहुत अच्छा प्रदर्शन किया। गुजरात विधानसभा चुनाव का अलग–अलग दृष्टि से विश्लेषण निम्न प्रकार है।

- यदि हम शहरी क्षेत्र में भाजपा के चुनावी प्रदर्शन की बात करें तो भाजपा ने शहरी क्षेत्रों में स्थित कुल 56 सीटों में से लगभग 58 प्रतिशत वोट शेयर के साथ 46 सीट जीत कर रिकॉर्ड बनाया।
- इस बार गुजरात विधानसभा चुनाव–2022 में कुल 139 महिला उम्मीदवार मैदान में उतरी जिनमें से 15 महिला उम्मीदवार विजेता बनी। जबकि 2017 के विधानसभा चुनाव में विजित महिला प्रतिनिधियों संख्या 13 तथा 2012 के विधानसभा चुनाव में महिलाओं को 16 सीटें मिली थी। विजित महिला प्रतिनिधियों में 14 भाजपा से तथा 1 कांग्रेस दल से रही। चुनाव जीतने वाली महिला प्रत्याशियों में से 4 अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति समुदाय से है।
- गुजरात विधानसभा चुनाव– 2017 में भाजपा के खिलाफ वोट करने वाला प्रभावशाली पाटीदार समाज इस बार के चुनाव में भाजपा के साथ खड़ा नजर आया। पाटीदार समूह ने इस बार न केवल भाजपा को खुलकर अपना समर्थन दिया अपितु चुनाव परिणामों को भाजपा के पक्ष में मोड़ने में भी सहयोग किया। जिन–जिन सीटों पर पाटीदारों का बाहुल्य है, लगभग उन सभी सीटों पर भाजपा को जीत प्राप्त हुई।
- जहां गुजरात विधानसभा चुनाव–2017 में अनुसूचित जाति बाहुल्य क्षेत्र में भाजपा को 7 तथा कांग्रेस को 5 सीटें एवं अन्य दलों को 1 सीट गई थी। वहीं 2022 के विधानसभा चुनाव में भाजपा ने अनुसूचित जाति बाहुल्य क्षेत्र की कुल 13 सीटों में से 12 सीटें प्राप्त कर इस समुदाय में न केवल अपना विश्वास कायम रखा अपितु उसे बढ़ाया भी है। अनुसूचित जाति बाहुल्य क्षेत्र में से कांग्रेस को मात्र 1 सीट पर ही संतोष करना पड़ा।
- गुजरात में अनुसूचित जनजाति बाहुल्य क्षेत्र में स्थित कुल 27 सीटों में से विधानसभा चुनाव– 2017 में जहां भाजपा को मात्र 9 सीटें मिली थी, वहीं कांग्रेस को 15 सीटें प्राप्त हुई तथा 3 सीटें अन्यों के खाते में गई थी। जबकि इस बार के चुनाव परिणाम–2022 में स्थिति बिल्कुल उलट हो गई। इस बार अनुसूचित जनजाति बाहुल्य क्षेत्र की कुल 27 सीटों में से भाजपा ने 23 सीटें जीतकर रिकॉर्ड बनाया। वहीं कांग्रेस ने मात्र 3 सीटों पर एवं आम आदमी पार्टी ने 1 सीट पर जीत दर्ज की।

गुजरात विधानसभा चुनाव में राजनीतिक दलों का एजेंडा

इस चुनाव में भाजपा ने अपने स्टार प्रचारक प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, अमित शाह, आदित्य नाथ योगी, स्मृति ईरानी, जेपी नड्डा आदि के द्वारा अनेक सभाएं, रोड शो, मेघा रोड़ शॉ एवं डिजिटल माध्यम से प्रभावी चुनाव प्रचार किया गया। साथ ही भाजपा के स्थानीय नेताओं द्वारा घर–घर जाकर प्रचार कर पारंपरिक तरीकों को भी प्रभावी बनाए रखा गया। कांग्रेस और आप ने वित्तीय संसाधनों की कमी के कारण वोट मांगने के लिए छोटे पैमाने और स्थानीय अभियानों का सहारा लिया। कांग्रेस, भाजपा और आप के उच्च डेसिबल और मुखर अभियान के विपरीत, अपने उम्मीदवारों के लिए वोट जुटाने के लिए एक मूक चुनाव प्रचार किया।

इस चुनाव में राष्ट्रीय कांग्रेस द्वारा भाजपा को घेरने के लिए उठाए गए मुद्दों में मोरबी पुल का ढहना, महंगाई, बेरोजगारी, पेपर लीक, सरकारी नौकरियों के लिए परीक्षा स्थगित करना और बिलकिस बानो मामले में दोषियों का अदालत की सजा से छूट जाना आदि शामिल हैं। उन्होंने भूमि अधिग्रहण, किसानों के मुद्दों, उच्च बिजली दरों, दूरदराज के इलाकों में खराब बुनियादी शिक्षा व्यवस्था, स्वास्थ्य सुविधाओं का अभाव, टूटी सड़कों और रास्तों में गड्ढों के खिलाफ भी व्यापक अभियान चलाया।

वहीं आम आदमी पार्टी ने सरकारी कर्मचारियों के लिए पुरानी पेंशन योजना लागू करना, बिजली बिलों पर सब्सिडी प्रदान करना, सरकारी स्कूलों और स्वास्थ्य केंद्रों में सुधार करने का वादा किया। इस चुनाव में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जनता से राष्ट्रीय मुद्दों के साथ–साथ गुजराती अस्मिता एवं माटी के सिद्धांत को बनाए रखने का आव्हान किया। उन्होंने अपने प्रचार अभियान में पिछले तीन दशकों में राज्य में भगवा पार्टी द्वारा किए गए कार्यों को सूचीबद्ध किया और गुजरात की अर्थव्यवस्था के विस्तार और नागरिकों को मिलने वाले लाभों को रेखांकित किया। अपने दल के विकास कार्यों के अलावा प्रधानमंत्री मोदी ने कच्छ के लोगों को नर्मदा बांध

परियोजना में तोड़फोड़ करने, वोट बैंक की राजनीति में लिप्त होने के कारण आतंकवादी हमलों में वृद्धि और नक्सलवाद को बढ़ावा देने के लिए कांग्रेस और उसकी सहयोगी अन्य पार्टियों की अपवित्र सांठगांठ आदि के बारे में गुजरात के लोगों याद दिलाया।

गुजरात विधानसभा चुनाव भाजपा की जीत के प्रमुख कारण

गुजरात विधानसभा चुनाव को नजदीक से देखने पर यह पता लग रहा है कि, यह चुनाव भी एक तरह से घोड़ों की दौड़ में बदल गया है। इस चुनाव में भारतीय जनता पार्टी की जीत के मुख्य कारण निम्न प्रकार माने जा सकते हैं।

- इस चुनाव में भाजपा पहले से ही अपने प्रमुख प्रतिद्वंदी दलों, राष्ट्रीय कांग्रेस और आप से मीलों आगे दिख रही थी। भाजपा की ऐतिहासिक, अभूतपूर्व, रिकॉर्ड जीत के बाद यह साबित भी हो गया है।
- गुजरात विधानसभा के इस चुनाव में भी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का प्रभाव, उनका करिश्मा एवं उनकी वोट जुटाने की अपील का प्रभाव स्पष्ट दिखाई दे रहा था। उनकी इस अपील का प्रभाव उनके गृह नगर में, दक्षिणपंथी विचारधारा के लोगों में एवं बीजेपी विचारधारा से जुड़े लोगों पर स्पष्ट दिखाई दे रहा था।
- इस समय न केवल राज्य स्तर पर अपितु केंद्रीय स्तर पर भी राष्ट्रीय कांग्रेस दल पूरी तरह से अव्यवस्थित, कुशल नेतृत्व विहीन एवं असंगठित दिखाई दे रहा है। इसका लाभ भाजपा जैसे दूसरे दलों को मिल रहा है। इस बार के गुजरात विधानसभा चुनाव में कांग्रेस के स्टार प्रचारक राहुल गांधी द्वारा सीमित प्रचार किया जाना भी चुनाव परिणामों को प्रभावित किया। विधानसभा चुनाव के दौरान राहुल गांधी श्भारत जोड़ोश यात्रा में व्यस्त थे, जो कहीं न कहीं इन चुनावों से उनकी उदासीनता का प्रतीक दिखाई दे रहा है।
- इस बार गुजरात विधानसभा चुनाव में बीजेपी के साथ कांग्रेस एवं आप पार्टी का त्रिकोणीय समीकरण दिखाई दे रहा था। इस चुनावी प्रतिस्पर्धा के त्रिकोणीय मुकाबले ने गैर–भाजपा दलों के वोटों को लंबवत रूप से विभाजित कर दिया है। आप के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल के सुनियोजित चुनाव अभियान और लोकलुभावन गारंटियों से बड़े स्तर पर कांग्रेस के वोटों में सेंध लगी, जिसका भाजपा बहुत को फायदा हुआ। इस चुनाव में आप पार्टी ने अपेक्षित सफलता तो प्राप्त नहीं की लेकिन बड़े स्तर पर कांग्रेस के वोटों में सेंध लगाकर बीजेपी को न चाहते हुए भी ऐतिहासिक सफलता दिलाने में सहयोग किया।
- यदि हम विश्लेषणात्मक दृष्टि से देखे तो जिस गति से आम आदमी पार्टी का ग्राफ बढ़ रहा है, उतनी ही तेज गति से राष्ट्रीय कांग्रेस पार्टी का वोट शेयर घट रहा है। इस आधार कहां जा सकता है कि, अब वह दिन दूर नहीं जब आम आदमी पार्टी राष्ट्रीय दल की श्रेणी में शामिल होगा।
- इस चुनाव में ओवैसी की पार्टी ने कोई विशेष सफलता तो प्राप्त नहीं की लेकिन मुस्लिम बाहुल्य क्षेत्रों में मुस्लिम वोट बैंक में सेंध लगाकर न चाहते हुए भी भाजपा को जिताने में सहयोग किया।

गुजरात विधानसभा चुनाव प्रमुख सुझाव

- **आम आदमी पार्टी के लिए अवसर**

गुजरात में आम आदमी पार्टी की दस्तक पहली बार वर्ष 2017 के विधानसभा चुनाव में हुई। उसे इस चुनाव में महज 0.1 प्रतिशत वोट प्राप्त हुए तथा लगभग सभी उम्मीदवारों की जमानत जब्त हो गई। सूरत नगर निगम चुनाव– 2021 में आप दल ने पहली बार अपनी पहचान बनाना प्रारंभ किया। आप दल ने सूरत नगर निगम की कुल 120 सीटों में से 27 सीटों पर चुनाव जीतकर कांग्रेस को पीछे छोड़ते हुए मुख्य विपक्षी पार्टी का दर्जा प्राप्त किया। आम आदमी पार्टी के लिए दिल्ली एवं पंजाब के बाद गुजरात में अपना आधार तैयार करनें का एक सुयोग्य अवसर है।

- **विपक्ष की राजनीति पर प्रभाव**

आम आदमी पार्टी की गुजरात चुनाव में दस्तक वहां के चुनावी समीकरणों को बदलने के लिए पर्याप्त हैं। अगर चुनावों में निरंतर राष्ट्रीय कांग्रेस का जनाधार घटता है एवं आम आदमी पार्टी का उत्तरोत्तर बढ़ता है, तो इससे राष्ट्रीय स्तर पर भी विपक्ष की राजनीतिक भूमिका पर प्रभाव पड़ेगा।

- **भाजपा के विरुद्ध चुनौती विहीन राजनीति**

गुजरात की सत्ता में पिछले 27 वर्षों से भाजपा काबीज है, एंटी इनकंबेंसी के बावजूद भी गुजरात में भाजपा ने रिकॉर्ड तोड़ जीत प्राप्त की है। वहां निरंतर कांग्रेस का जनाधार घट रहा है, विशेषकर विधानसभा चुनाव– 2022 में कांग्रेस को पहली बार इतनी कम सीटें प्राप्त हुई है। गुजरात में अन्य दलों का भी कोई विशेष प्रभाव फिलहाल दिखाई नहीं दे रहा है। इस आधार पर निकट भविष्य में तो यही लग रहा है कि, गुजरात में आगामी कई वर्षों तक भाजपा को चुनौती देने वाली कोई पार्टी दिखाई नहीं दे रही है।

- इस बार के गुजरात विधानसभा चुनाव में अनुसूचित जाति, जनजाति एवं पाटीदार समूह ने भाजपा के पक्ष में भारी मतदान किया, ये समूह ही कभी कांग्रेस के चुनाव जीतने में बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाते थे। ध्यान रहे किसी समूह का जनादेश एक बार खिसकने के बाद उसे वापस अपने पक्ष में लाने में कई वर्ष लग जाते हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि, ''भाजपा को मिला जनसमर्थन नए भारत की आकांक्षाओं का प्रतिबिम्ब है, भारत के युवाओं की 'युवा सोच' का प्रकटीकरण है, यह गरीब, शोषित, वंचित, आदिवासियों आदि के सशक्तिकरण की प्रतिछाया है।''

- **लोकसभा चुनाव पर प्रभाव**

गुजरात विधानसभा चुनाव में भाजपा की ऐतिहासिक जीत उसके लिए 2023 में कई राज्यों में होने वाले विधानसभा चुनाव एवं आगामी लोकसभा चुनाव के लिए संजीवनी बूटी का काम करेगा। इसी से उत्साहित होकर भाजपा ने गुजरात लोकसभा की सभी 26 सीटो एवं लोकसभा में 400 सीटों से अधिक प्राप्त करने का लक्ष्य रखा है।

- भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने कहा कि, ''सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास इस मूलमंत्र को लेकर जिस अथक प्रयास के साथ प्रधानमंत्री मोदी ने गुजरात और देश की जनता की सेवा की है, उसी का परिणाम गुजरात में प्रचंड जीत के रूप में हमें मिला है।''

निष्कर्ष

गुजरात विधानसभा चुनाव परिणाम के बाद यह भी माना जा रहा है कि भाजपा ने गुजरात की ऐतिहासिक सफलता के लिए दिल्ली एमसीडी के चुनाव एवं हिमाचल प्रदेश की सत्ता को गवा दिया। अर्थात भाजपा ने गुजरात के लिए दिल्ली एवं हिमाचल प्रदेश की सत्ता कुर्बान कर दी। दिल्ली एमसीडी की 250 सीटों में से आम आदमी पार्टी को 134 सीटें, भाजपा को 104 सीटें मिली, वहीं कांग्रेस को मात्र 9 सीटें तथा एक सीट निर्दलीय खाते में गई। एमसीडी पर 15 वर्षों से काबिज भाजपा को आप दल ने अपने दूसरे ही प्रयास में सत्ता से बाहर कर दिया। लेकिन यदि विश्लेषणात्मक दृष्टि से देखे तो दिल्ली एमसीडी चुनाव एवं हिमाचल प्रदेश चुनाव का गुजरात चुनाव से कोई ताल्लुक नहीं है। जहां हिमाचल प्रदेश में यह परंपरा है कि, हर 5 वर्ष में वहां सत्ता बदल जाती है। वहीं यह भी सब जानते हैं कि, दिल्ली एमसीडी चुनाव में भाजपा का प्रदर्शन अपेक्षित नहीं रहा लेकिन कांग्रेस से तो अब भी कई गुना बेहतर है। फिर भी इस बात से इंकार नहीं किया जा सकता कि भाजपा को हिमाचल प्रदेश विधानसभा चुनाव एवं दिल्ली एमसीडी चुनाव में नुकसान हुआ है। सार रूप में कहा जा सकता है कि, गुजरात विधानसभा चुनाव में प्राप्त ऐतिहासिक जीत भाजपा की भविश्य की राजनीति के लिए कईं मायनों में महत्वपूर्ण हैं।

संदर्भ ग्रन्थ सूची

1. मंगलानी, डॉ. रूपा, भारतीय शासन एवं राजनीति, राजस्थान हिंदी ग्रंथ अकादमी, जयपुर, 2020
2. गुजरात विधानसभा चुनाव, 2 चरणों में 1,621 उम्मीदवार मैदान में है, द इंडियन एक्सप्रेस, 23 नवंबर, 2022 पुनः प्राप्त 24 नवंबर, 2022
3. गुजरात चुनाव, कुल 1,621 उम्मीदवारों में से केवल 139 महिला उम्मीदवार मैदान में है, हिंदुस्तान टाइम्स, 27 नवंबर, 2022
4. गुजरात विधानसभा चुनाव के लिए 51,782 मतदान केंद्र, द इंडियन एक्सप्रेस, 5 नवंबर, 2022 पुनः प्राप्त, 12 नवंबर, 2022
5. गुजरात विधानसभा चुनाव, 1,621 उम्मीदवार मैदान में, द हिंदू, 22 नवंबर, 2022 पुनः प्राप्त 22 नवंबर, 2022
6. गुजरात चुनाव-2022, भाजपा उम्मीदवारों और उनके निर्वाचन क्षेत्रों की पूरी सूची, फाइनेंशियल एक्सप्रेस, 10 नवंबर, 2022
7. गुजरात विधानसभा चुनाव परिणाम, नवभारत टाइम्स, 11 दिसंबर, 2022
8. नवभारत टाइम्स, हिंदी न्यूज़ पेपर, दिल्ली https://navbharattimes.indiatimes.com/elections/assembly-elections/gujarat/amp_results/94831145.cms
9. अमर उजाला, हिन्दी न्यूज़ पेपर, दिल्ली
10. https://www.amarujala.com/election/vidhan-sabha-elections/gujarat
11. आज तक, हिंदी, न्यूज़ चैनल
12. https://www.aajtak.in/amp/elections/gujarat-assembly-elections/story/constituency-wise-result-gujarat-assembly-election-results-2022-check-seat-wise-winner-candidate-bjp-congress-vidhan-sabha-chunav-parinam-in-hindi-lbs-1590945-2022-12-08
13. एनडीटीवी, न्यूज़ चैनल, दिल्ली
14. https://ndtv.in/india/gujarat-election-results-2022-live-updates-gujarat-chunav-parinam-assembly-election-results-2022-3587371/amp/1
15. गुजरात विधानसभा चुनाव परिणाम, जनसत्ता अखबार, अहमदाबाद
16. https://www.jansatta.com/rajya/gujarat-assembly-election-results-2022-live-updates-gujarat-vidhan-sabha-chunav-result-live-news-in-hindi/2541134/
17. राज्य निर्वाचन आयोग, गुजरात
18. https://sec.gujarat.gov.in/

❖◆❖